

10



न्यायालय श्रीमान् राजस्व परिषद् म.प्र. ग्वाल:

C. App 151

प्रक्र- R-235-I/09

प्यारेलाल पिता बालु जी धोसो,

निवासी मन्दासौर

..... ओवेदक

विरुद्ध

श्रीमान् राजस्व परिषद्

1. सुमति लाल पिता राजमल जी लोढ़ा

निवासी मन्दासौर

2. विनोद पिता रामकन्द पालीवाल

निवासी मन्दासौर

..... अनावेदक

श्री प्रकाश अग्रि - एडवोकेट
द्वारा बाब दि. 26.2.09 को प्रस्तुत।
अवर सचिव
राजस्व सचिवालय म० प्र० ग्वालियर

रिजिजन प्रार्थना पत्र धारा 50 म.प्र.मु. राजस्व संहिता 1959 न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी मन्दासौर के अपील क्रमांक 100/07-08 में पारित आदेश दिनांक 31.12.08 से परिषेद्धित होकर जो न्यायालय तहसीलदार मन्दासौर के प्रकरण क्रमांक 30/अ-6-अ/07-08 में पारित आदेश दिनांक 11.7.2008 के विरुद्ध पेश थी।

माननीय महोदय,

निगरानी के आधार.

26-2-09

§ 18 यह कि आदेश अन्तगत रिजिजन विधि स्व प्रक्रिया के सर्वथा प्रतिकूल होकर स्थिर रहने योग्य नहीं है।

§ 28 यह कि रिस्पा.ने छोटीबाई वि.बालकिसान के मध्य सिविल न्यायालय वाद चल रहा होने के दौरान न्यायालय द्वारा अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की कि बालकिसान भूमि को विक्रय, रहन, किसी भी प्रकार से अन्तरण नहीं करें किन्तु बालकिसान के दौरान वाद रिस्पाडेन्ट को भूमि विक्रय कर दी जिसे अतिरिक्त सिविल जज महोदय का-02 मन्दासौर के प्रकरण क्रमांक S.S.A.O.S..... में अनावेदक के पक्ष में किये गये विक्रय गन्व घोषित कर दिया उक्त आज्ञापित के पकाश में अनावेदक को भूमि कम

Handwritten signature

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

(10)

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - R235/I/09

जिला - मंडल

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
31.7.19	<p>आवेदक की ओर से यह निगरानी अनुवृत्ति आदेश के प्रकरण क्रमांक A/100/01-08 में पारित आदेश दिनांक 31-12-08 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह प्रकरण सुनवाई हेतु कलकत्ता मंडल को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 14.10.18 को कलकत्ता मंडल के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p>(महेश चन्द्र चौधरी) सदस्य</p>	